आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 09 लखनऊ, रविवार 07 जून 2026 से 13 जून 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

योगी आदित्यनाथ का कड़ा संदेशः उत्सव के रंग में किसी ने भंग डाला तो वर्तमान और भविष्य भी हो जाएगा स्वाहा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अच्छे लोगों को चुनने पर जोर दिया और २०१७ से पहले के उस दौर की ओर इशारा किया जिसमें विकास एक गांव तक ही सीमित था। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर आप अच्छे लोगों और अच्छी सरकार को चुनते हैं, तो परिणाम अच्छे होंगे। अगर गलत लोग चुने जाते हैं, तो इसके बुरे परिणामों से कोई आपको नहीं बचा पाएगा। उन्होंने आगे कहा कि और, ऐसा होता था। २०१७ से पहले, जब भी कोई गलत सरकार आती थी, विकास एक ही गाँव तक सीमित रह जाता था। योगी आदित्यनाथ ने चेतावनी देते हुए कहा कि उत्सव के रंग में अगर किसी ने भंग डालने का काम किया तो उसका वर्तमान तो जाएगा ही, भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि २०१५–१६ में गोंडा में दुर्गा पूजा में दंगे का प्रयास हुआ था और मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जित करने नहीं दिया जाता था। उन्होंने कहा कि रामलीला में अड़चन डाली जाती थी। उत्सव प्रारम्भ होने से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। बेटी, व्यापारी सुरक्षित नहीं थे और २०१७ से पहले सत्ता में बैठे लोग पेशेवर गुंडों को शरण देते थे और प्रदेश में महीनों कर्फ़्यू रहता था। योगी ने २०१७ के बाद अपनी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा की और चेतावनी भरे लहजे में कहा कि उत्सव के रंग में किसी ने भंग डालने का काम किया तो, वर्तमान तो जाएगा ही, उसका भविष्य भी स्वाहा हो जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि गोंडा का विकास तुष्टीकरण, अराजकता, भाई–भतीजावाद और जातिवाद की भेंट चढ़ गया था। उन्होंने अपनी सरकार में सबके लिए समान व्यवहार का जिक्र करते हुए कहा कि हर पात्र व्यक्ति चाहे वह किसी जाति, मत–संप्रदाय का हो, अगर वह पात्रता की श्रेणी में आता है तो उसके साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने लोगों को आगाह किया कि अगर आप अच्छे लोगों और अच्छी सरकार को चुनते हैं तो परिणाम अच्छे होंगे। गलत लोग चुनोगे तो उसके खामियाजे से कोई बचा नहीं पाएगा। उन्होंने २०१७ से पहले के दौर पर निशाना साधते हुए कहा कि तब विकास एक गांव तक ही सीमित रह जाता था, सब कुछ वहीं होता था। योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने मेडिकल कॉलेज बनवाते समय भेदभाव नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब मेडिकल कॉलेज बनाने थे तो हमने यह नहीं कहा कि वे सैफई में बनेंगे। हमने कहा कि वे गोंडा, बहराइच, बलरामपुर, अयोध्या और बस्ती में बनेंगे। अयोध्या का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब तो श्री अयोध्या धाम में राम भक्त के अलावा कोई 'रामद्रोही' घुस ही नहीं सकता... अयोध्या में ऐसी व्यवस्था की गई है। आज अयोध्या चमक रही है और हर व्यक्ति जो वहां जाता है गौरव की अनुभूति करता है।

दिल्ली में बड़े Protest के बाद CJP पर 'राष्ट्रविरोधी गतिविधियों' का आरोप, FIR दर्ज, विदेशी फंडिंग की जांच!

नई दिल्ली। शनिवार को दिल्ली के जंतर–मंतर पर हुए व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद, युवाओं के नेतृत्व वाले व्यंग्य संगठन 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के खिलाफ राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के आरोप में शिकायत दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सीजेपी विदेशी फंडिंग से संचालित हो रही है। यह शिकायत अभिजीत दिपके द्वारा अमेरिका से लौटने के तुरंत बाद नीट–यूजी २०२६ के प्रश्न पत्र लीक और सीबीएसई की ऑन–स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) मूल्यांकन प्रक्रिया में अनियमितताओं के विरोध में दिल्ली में आयोजित विरोध प्रदर्शन के बाद दर्ज की गई है। शनिवार को जंतर–मंतर पर हजारों समर्थक पोस्टर और बैनर लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके कर रहे हैं और यह दिल्ली पुलिस से अनुमति मिलने के बाद आयोजित किया जा रहा है। प्रदर्शन में शामिल लोगों में ज्यादातर स्कूली और कॉलेज के छात्र–छात्राएं और युवा पेशेवर शामिल थे। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी थी कि अगर ५ जून तक कोई कार्रवाई नहीं की गई तो वे भी विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। विरोध प्रदर्शन से पहले, दिपके ने अपने समर्थकों से शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने का आग्रह किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों का फूलों से स्वागत करने की भी अपील की। प्रस्तावित चीफ जस्टिस ऑफ पुलिस (सीजेपी) के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन से पहले शनिवार को दिल्ली भर में सुरक्षा बढ़ा दी गई। पुलिस ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) हवाई अड्डे, सीमा प्रवेश बिंदुओं और अन्य संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए। एहतियात के तौर पर नई दिल्ली और अन्य रणनीतिक स्थानों पर १,००० से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। सीजेपी ने प्रतिभागियों से अहिंसक आचरण बनाए रखने और टकराव से बचने का आग्रह करते हुए दिशानिर्देश भी जारी किए हैं।

वेतन भुगतान में देरी पर शिक्षकों का अल्टीमेटम, सोमवार तक वेतन न मिलने पर जनगणना कार्य के बहिष्कार की चेतावनी

लखनऊ। जनपद लखनऊ के शिक्षकों में लंबित वेतन भुगतान को लेकर गहरा असंतोष और नाराजगी व्याप्त है। शिक्षकों का आरोप है कि जिला प्रशासन और जिलाधिकारी कार्यालय की कार्यप्रणाली से यह स्पष्ट संकेत नहीं मिल रहे हैं कि उनके बकाया वेतन का भुगतान समयबद्ध ढंग से किया जाएगा। ऐसे में शिक्षकों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जबकि वे लगातार अपने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ कर रहे हैं। शिक्षक संगठनों का कहना है कि वर्तमान में बड़ी संख्या में शिक्षकों की ड्यूटी देश के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम जनगणना कार्य में लगाई गई है। इसके बावजूद जिला प्रशासन के पास यह स्पष्ट जानकारी तक नहीं है कि कितने शिक्षकों ने अपनी ड्यूटी ज्वाइन कर ली है। शिक्षकों ने इसे प्रशासनिक समन्वय और निगरानी की गंभीर कमी बताते हुए सवाल उठाए हैं। शिक्षकों का कहना है कि एक ओर उनसे विद्यालयी कार्यों के साथ–साथ विभिन्न प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कराया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर उनके वैध और अर्जित वेतन का भुगतान लंबित रखा गया है। इससे शिक्षकों में निराशा और असंतोष लगातार बढ़ रहा है। शिक्षक समुदाय ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि सोमवार तक लंबित वेतन का भुगतान जारी नहीं किया गया, तो वे सामूहिक रूप से बैठक कर आगे की रणनीति तय करने के लिए बाध्य होंगे। इसमें जनगणना कार्य के बहिष्कार जैसे विकल्पों पर भी विचार किया जा सकता है। शिक्षकों ने प्रशासन से मांग की है कि वेतन भुगतान की प्रक्रिया में तत्काल तेजी लाई जाए और सभी लंबित भुगतान शीघ्र जारी किए जाएं, ताकि अनावश्यक विवाद, असंतोष और प्रशासनिक बाधाओं से बचा जा सके। उनका कहना है कि कर्मचारियों से अतिरिक्त दायित्वों के निर्वहन की अपेक्षा तभी की जा सकती है, जब उनके मूल अधिकारों और आर्थिक हितों की भी समान रूप से रक्षा की जाए। शिक्षकों की इस चेतावनी के बाद अब सभी की निगाहें जिला प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं। यदि समय रहते समाधान नहीं निकला, तो जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है।

सम्पादकीय

व्यवस्था के चेहरे पर हिरासत में मौतों का दाग

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का हालिया बयान भारतीय राजनीतिक तंत्र और पुलिसिया ढर्रे के लिए एक आईना है। व्यवस्था की क्रूरता पर आंखें मूंदने की हमारी आदत ने आज हिरासत में मौतों (कस्टोडियल डेथ्स) को एक आम घटना बना दिया है। क्वाड बैठक में हिस्सा लेने नई दिल्ली आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से जब अमेरिका में भारतीयों पर होने वाले नस्लीय हमलों को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने बेहद परिपक्वता और ईमानदारी से जवाब दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि दुनिया के हर देश की तरह अमेरिका में भी 'बेवकूफ लोग' मौजूद हैं जो ऐसी हरकतें करते हैं, लेकिन अमेरिकी प्रशासन ऐसी नस्लभेदी टिप्पणियों और घटनाओं को बेहद गंभीरता से लेता है। रुबियो का यह बयान भारतीय राजनेताओं और नीति–निर्माताओं को अपनी जवाबदेही की याद दिलाता है। भारत में नस्लवाद, जातिवाद, सांप्रदायिकता और क्षेत्रवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों का समाधान ढूंढने के बजाय, राजनीतिक दल इनका उपयोग अपने संकीर्ण स्वार्थों को साधने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए करते हैं। चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, जब बात तंत्र की क्रूरता को कानूनी आड़ में छिपाने की आती है, तो सभी एक ही रंग में रंगे नजर आते हैं। इसका सबसे भयावह और जीवंत उदाहरण हैंपुलिस हिरासत में होने वाली मौतें। साल २०२० में अमेरिका के मिनियापोलिस में श्वेत पुलिस अधिकारी द्वारा अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की निर्मम हत्या के बाद पूरे देश में 'ब्लैक लाइव्स मैटर' आंदोलन छिड़ गया था। अमेरिकी न्याय प्रणाली ने तत्परता दिखाई और २०२१ में दोषी पुलिसकर्मी को २२.५ साल जेल की सजा सुनाई गई। तुलनात्मक विरोधाभासः इसके विपरीत, भारत में पुलिस हिरासत में मौतें एक प्रशासनिक 'रूटीन' बनकर रह गई हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष २०२४ में ही २,७३६ लोगों की पुलिस हिरासत में मौत हो गई। इतने बड़े पैमाने पर होने वाली मौतों के बावजूद सरकारी और राजनीतिक तंत्र में कोई हलचल नहीं दिखती। विपक्ष सत्ता में रहने पर चुप रहता है और सत्ता से बाहर होने पर सिर्फ सियासी शोर मचाता है, जिसके कारण यह अमानवीय मुद्दा कभी तार्किक परिणति तक नहीं पहुंच पाता। हिरासत में हिंसा को सुप्रीम कोर्ट ने 'व्यवस्था पर एक बदनुमा धब्बा' करार दिया है। देश के थानों में सीसीटीवी कैमरों के काम न करने के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए शीर्ष अदालत ने सख्त लहजे में कहा था कि 'अब देश इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।' लेकिन जमीनी हकीकत आज भी जस की तस है। हालांकि, अप्रैल २०२६ में मदुरै की अदालत द्वारा वर्ष २०२० के बहुचर्चित पी. जयराज और जे. बेनिक्स (पिता–पुत्र) हत्याकांड में ६ पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा सुनाया जाना एक ऐतिहासिक और दुर्लभ अपवाद है। अन्यथा, ऐसे मामलों की जांच अक्सर उसी पुलिस विभाग द्वारा की जाती है जिसके संरक्षण में अपराध हुआ होता है, जिससे निष्पक्ष न्याय की उम्मीद दम तोड़ देती है। भारत ने १९९७ में ही संयुक्त राष्ट्र यातना विरोधी सम्मेलनश पर हस्ताक्षर कर दिए थे, लेकिन तीन दशक बीत जाने के बाद भी देश में यातना को रोकने के लिए कोई विशेष और स्वतंत्र कानून नहीं है। 'यातना निवारण विधेयक २०१०' लोकसभा से पारित होने के बाद प्रवर समिति के पास भेजा गया, लेकिन अंततः वह लैप्स (निरस्त) हो गया। आज भी हम इस बर्बरता से निपटने के लिए पारंपरिक भारतीय कानूनों के भरोसे हैं। मानवाधिकार समूहों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि संदिग्धों से जबरन कबूलनामा निकलवाने के लिए प्रताड़ित करना हमारी पुलिसिंग के तौर–तरीकों का हिस्सा बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों द्वारा भारतीय पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और मानवाधिकारों के अनुकूल बनाने के सुझावों को लगातार नजरअंदाज किया गया है। जब अमेरिका जैसा महाशक्ति देश अपने यहां के मामूली से नस्लवाद पर भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुलकर खेद जताता है, तो वह भारत के नीति–निर्माताओं को अपनी कमियों को स्वीकार करने का पाठ पढ़ाता है। हिरासत में होने वाली यातनाएं सत्ता तंत्र की शक्ति का घोर दुरुपयोग हैं, क्योंकि वहां शक्ति का संतुलन पूरी तरह नागरिक के खिलाफ होता है। यदि भारत को एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में खुद को स्थापित रखना है, तो उसे पुलिस बल के भीतर पनप रही इस हिंसक संस्कृति को खत्म करना होगा और कड़े संस्थागत सुधार लागू करने होंगे। व्यवस्था की क्रूरता पर अब और खामोशी अख्तियार नहीं की जा सकती।

योगी जी, हमें माफ कर दो अब कोई गुनाह नहीं करेंगे..., Ghaziabad में १५० अपराधियों ने Crime छोड़ने की ली शपथ

लखनऊ। गाजियाबाद में मंगलवार को आपराधिक रिकॉर्ड वाले लगभग १५० लोगों ने हाथ उठाकर शपथ ली और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से माफी मांगने वाले पोस्टर लहराए, और पुलिस पुनर्वास पहल के तहत अपराध का जीवन छोड़ने का संकल्प लिया। पुनर्वास कार्यक्रम के तहत, युवा और मध्यम आयु वर्ग के पुरुषों ने हाथ उठाकर शपथ ली, जिसमें कहा गया कि हम शपथ लेते हैं कि हम भविष्य में कभी कोई अपराध नहीं करेंगे या किसी भी गलत गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। कई प्रतिभागियों ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को संबोधित पोस्टर ले रखे थे, जिनमें उन्होंने आश्वासन दिया था कि वे अवैध गतिविधियों में वापस नहीं लौटेंगे और क्षमा मांगेंगे। कई तख्तियों पर लिखा था, "मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, हम भविष्य में अपराध नहीं करेंगे। कृपया हमें क्षमा करें।" एक पूर्व आरोपी ने बताया कि उसने दोबारा अपराध न करने की प्रतिज्ञा ली है और उम्मीद जताई है कि कानून उसका साथ देगा। उसने कहा कि मुझे एहसास हो गया है कि अगर हम गलत करेंगे, तो हमें उसके परिणाम भी भुगतने पड़ेंगे। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस–हिंडन) धवल जायसवाल ने बताया कि यह अभियान गाजियाबाद में अ परेशन क्लीन स्वीप के तहत चलाए जा रहे सत्यापन अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों का आपराधिक रिकॉर्ड है, जिनके खिलाफ पहले शिकायतें दर्ज हैं या जिनका ऐसे अपराधों का इतिहास रहा है, उन सभी की जांच की जा रही है। उनके निवास स्थान, आवागमन और वर्तमान गतिविधियों का रिकॉर्ड रखा जा रहा है। जायसवाल ने बताया कि ऐसे व्यक्तियों को किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल न होने की चेतावनी दी जा रही है, ऐसा न करने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ऐसे व्यक्तियों का डेटाबेस पुलिस प्रणाली में जोड़ा जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अपराध कम करने में जांच की अहम भूमिका होती है। अगर कोई अपराध होता है, तो इससे उसमें शामिल लोगों की तुरंत पहचान करने में मदद मिलती है।

Surya Murder Case: Khoda में अवैध २ मदरसे सील, FIR दर्ज, तीसरे पर भी कार्रवाई

लखनऊ। १७ वर्षीय लड़के की हत्या और मुख्य आरोपी असद के मुठभेड़ में मारे जाने के कुछ दिनों बाद, खोड़ा कॉलोनी में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने दो मदरसों को सील कर दिया। सोमवार को प्रशासन ने १६ वर्षीय असद के घर को अवैध घोषित कर दिया था। असद पर अपने एक दोस्त, नाबालिग लड़के की चाकू मारकर हत्या करने का आरोप था, जिससे उसका झगड़ा हुआ था। खोड़ा, लोनी और जिले के अन्य हिस्सों में चलाए जा रहे तीन दिवसीय सत्यापन अभियान के तहत यह सीलबंदी की गई। पुलिस ने बताया कि इस अभियान में अपराधियों से जुड़ी संपत्तियां, सरकारी जमीनें और अवैध निर्माण शामिल होंगे। मंगलवार को खोड़ा में किसी भी तरह की हिंसा को रोकने के लिए स्थानीय पुलिस, पीएसी और पीएएफ कर्मियों सहित भारी संख्या में बल तैनात रहा। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट, विशेष रूप से खोड़ा क्षेत्र पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में, अवैध संपत्तियों के संबंध में जांच जारी है। कल दो अनाधिंत मदरसों को सील किया गया। इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए आज इन दोनों मदरसों के खिलाफ तीन आरोपियों के नाम पर एफआईआर दर्ज की गई है। ये मदरसे अल्पसंख्यक मामलों के विभाग से आवश्यक अनुमति के बिना चल रहे थे। इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आयुक्त जे रविंदर गौड़, जिला मजिस्ट्रेट और अन्य वरिष्ठ अधिकारी खोड़ा में मौजूद थे जब प्रशासन ने लोकप्रिय विहार स्थित रहमानिया अरबिया कासिम–उल– उलूम और सुल्तान अलारफीन मदरसों को सील कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि एक तीसरे मदरसे को भी अवैध घोषित किया गया है। रहमानिया अरबिया कासिम–उल–उलूम में, अधिकारियों ने बताया कि बार–बार कोशिश करने के बावजूद गेट नहीं खोला गया। इंतजार के बाद, टीम ने परिसर को बाहर से सील कर दिया। वहां मौजूद लोगों ने आरोप लगाया कि उस समय ११ बच्चे अंदर थे। पुलिस ने बाद में स्थानीय पार्षद की मदद से उन्हें बाहर निकाला। मदरसा समिति के मुख्य सचिव इलियास सैफी ने कहा कि संस्था के पास आवश्यक कागजात थे लेकिन उन्हें प्रस्तुत करने का मौका नहीं दिया गया। उन्होंने बताया कि मदरसा २००० में पंजींत हुआ था और उस समय अवकाश था। केवल ११ छात्र बाहर के इलाकों से वहां रह रहे थे। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कैलाश चंद्र तिवारी ने कहा कि वक्फ निरीक्षक, खोड़ा नगर पालिका परिषद के कार्यकारी अधिकारी और नायब तहसीलदार द्वारा १ जून को दी गई एक संयुक्त रिपोर्ट में पाया गया कि मदरसे अमान्य और अवैध तरीके से चलाए जा रहे थे।

डीएम ने निर्माणाधीन ITI और BRC भवन का किया निरीक्षण, कहा- श्रमिक बढ़ाकर तेज करें काम

सिरौलीगौसपुर/बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने शनिवार को तहसील सिरौलीगौसपुर क्षेत्र में विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं को सभी परियोजनाएं निर्धारित समयावधि में मानकों के अनुरूप पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने करीब ४.८१ करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), सिरौलीगौसपुर तथा २६४.१६ लाख रुपये की लागत से बन रही आधुनिक कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कक्ष का निरीक्षण किया। कार्य प्रगति की समीक्षा के दौरान उन्होंने श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर परियोजना को अगस्त २०२६ तक पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही भवन निर्माण, विद्युत, जलापूर्ति, सैनिटरी एवं फिनिशिंग कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया। इसके बाद उन्होंने प्राथमिक विद्यालय पीठापुर परिसर में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा निर्मित ब्लक संसाधन केंद्र (बीआरसी) भवन का निरीक्षण किया। निर्माण कार्य लगभग पूर्ण मिलने पर उन्होंने भवन का शीघ्र हैंडओवर लेकर संचालन शुरू कराने के निर्देश दिए। विद्यालय परिसर में स्थित जर्जर भवन को ध्वस्त कराने तथा परिसर में फलदार व छायादार पौधों का रोपण कराने को भी कहा। इस दौरान उपजिलाधिकारी अनिल सरोज सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

UP पुलिस परिवार से १०३ बच्चे डठठै और २६ पहुंचे IIT, बोले DGP- बच्चों को चुनौतियों से ही सीखना होगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस फेमिली एसोसिएशन (वामा सारथी) की ओर से शनिवार को पुलिस परिवार के उन २३५ बच्चों को सम्मानित किया गया जिन्होंने इस वर्ष सफलता की उंचाइयों को छूते हुए प्रोफेशनल कोर्सेज में प्रवेश लिया। इसके लिए पुलिस मुख्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर वामा सारथी की अध्यक्षा मीनाक्षी सिंह (आईआरएस) मेधावियों को सम्मानित किया। बतादें कि वामा सारथी द्वारा शैक्षणिक सत्र २०२४–२५ में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट में ६० प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल २६७ छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया, जबकि इस वर्ष कुल ४३८ मेधावी छात्र–छात्राओं ने ६० प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए, जिन्हें भी सम्मानित किया गया। पुलिस मार्डन स्कूल के १६२ प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों का प्रशिक्षण अजीम प्रेमजी फाउंडेसन सहभागिता से कराई गई। प्रदेश के ७१ जनपदों में २१५३ विद्यार्थियों की काउंसलिंग कराई गई। इस वर्ष सभी पुलिस लाइन में वामा रीडिंग बुक एवं पुस्तकालयों की स्थापना पर काफी प्रयास किए गये और ३०२६ प्रतिभागियों द्वारा पुस्तकें दान की गई। पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के लिए जनपदों में बुक फेयर भी लगवाये जा रहे हैं, जहाँ उचित कीमतों पर बच्चों को पुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में २४५१ बच्चों ने परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित कार्यशालाओं मंउ भाग लिया। इस अवसर पर मीनाक्षी सिंह ने "वामा इको चौंप्स" पहल का शुभारम्भ करते हुए बच्चों से पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने तथा अनुशासित, संवेदनशील एवं राष्ट्रहित के प्रति समर्पित नागरिक बनने का आह्वान किया। 'वामा इको चौंप्स' के बच्चों द्वारा कार्यक्रम मे उपस्थित समस्त अतिथिगण एवं प्रतिभागीगणों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। शपथ के माध्यम से सभी के द्वारा प्रकृति एवं पर्यावरण के संरक्षण, जल एवं प्राकृतिक संसाधान के विवेकपूर्ण उपयोग, वृक्षारोपण एवं पौधों की देखभाल, स्वच्छता बनाए रखने, प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने, कूड़े–कचरे का उचित निस्तारण करने, पशु–पक्षियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने, दस अन्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण की शपथ दिलाने का संकल्प लिया। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि उनकी सफलता परिश्रम, अनुशासन, दृढ़ संकल्प एवं विपरीत परिस्थितियों में भी निरंतर आगे बढ़ने की क्षमता का परिणाम है। कहा कि जीवन में केवल अच्छे अंक ही नहीं, बल्कि जिज्ञासु बने रहना, चुनौतियों से सीखना, बड़े सपने देखना तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास के साथ सतत प्रयास करना भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम में वामा सारथी के पदाधिकारियों में रेनू सिंह, श्वेता सेंगर, चारू गाबा, सृष्टि धवन, चेतना गुप्ता, बृजरानी स्वर्णकार, आरती वर्मा, पुनीता सिंह, आकांक्षा सिंह के अलावा वैद्स आईसीएस कोचिंग से पीएम त्रिपाठी, ध्येय फाउन्डेशन से विजय सिह, कैरियर लॉंचर से सलीम, लॉ प्रेप ट्यूटोरियल से रोमा, एकेडमी फर्सर कैरियर्स की शिप्रा, शील्ड डिफेन्स के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया।

श्रीमती मीनाक्षी सिंह
श्री राजीव कृष्णा
वामा सारथी
उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन

अगले वर्ष तक बाल श्रम मुक्त होगा उत्तर प्रदेश, १२ जून को १४० हॉटस्पॉट होंगे घोषित बाल श्रम मुक्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश को बाल श्रम मुक्त बनाने के अपने संकल्प को तेजी से आगे बढ़ाते हुए व्यापक अभियान शुरू किया है। सरकार का लक्ष्य वर्ष २०२७ तक प्रदेश को पूर्ण रूप से बाल श्रम मुक्त बनाना है। इसी क्रम में अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस (१२ जून) के अवसर पर राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक विशेष राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें बाल श्रम उन्मूलन से जुड़ी विभिन्न जागरूकता एवं जनभागीदारी गतिविधियां आयोजित होंगी। प्रदेश में अब तक ५४३ बाल श्रम ह टस्प ट चिन्हित किए जा चुके हैं, जहां बाल श्रम की रोकथाम, निगरानी और जागरूकता कार्यक्रम लगातार संचालित किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत १२ जून को १५ जिलों के १४० बाल श्रम ह टस्प ट को औपचारिक रूप से बाल श्रम मुक्त घोषित किया जाएगा। बाल श्रम उन्मूलन अभियान को प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश के ६ मंडलों में विशेष कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। मंडलायुक्तों की अध्यक्षता में आयोजित इन कार्यशालाओं में विभिन्न विभागों, गैर–सरकारी संस्थाओं तथा संबंधित एजेंसियों की क्षमता वृद्धि और समन्वय को मजबूत करने पर विशेष बल दिया गया है। सरकार ने १५ जिलों को दिसंबर २०२६ तक पूर्ण रूप से बाल श्रम मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती सहित कई संवेदनशील जिलों में विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। साथ ही सभी जिलों में टास्क फोर्स का गठन कर बाल श्रम की रोकथाम, बचाव और पुनर्वास संबंधी कार्यों को गति दी गई है। अभियान के तहत केवल बाल श्रमिकों की पहचान ही नहीं, बल्कि उनके पुनर्वास, शिक्षा और संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्कूल से बाहर रहने वाले बच्चों की पहचान कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (**ILO**) की अवधारणा के अनुरूप बच्चों के सर्वेक्षण, चिन्हांकन और पुनर्वास की प्रक्रिया को मजबूत किया जा रहा है, ताकि बाल श्रम के मूल कारणों को समाप्त कर बच्चों को सुरक्षित एवं बेहतर भविष्य प्रदान किया जा सके। १२ जून को आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बाल श्रम उन्मूलन के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने, बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने तथा समाज की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कई विशेष गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर बोले, इंडिया गठबंधन फेल, इसमें दम नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को आगामी इंडिया ब्लॉक की बैठक से पहले विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए इसे संयुक्त क्षेत्रीय प्रभाव की कमी के कारण विफल करार दिया। एएनआई से बात करते हुए राजभर ने कहा कि जो इंडिया गठबंधन बनने जा रहा है, उसमें कोई ताकत नहीं है। ममता बनर्जी के पास उत्तर प्रदेश में वोट नहीं हैं, कांग्रेस के पास वोट नहीं हैं। उस गठबंधन में शामिल सभी लोगों का अलग–अलग राज्यों में अपना दबदबा है। अब, अगर वे सब एक साथ आकर सिर्फ एक राज्य में चुनाव लड़ें, तो वे कितनी ताकत जुटा पाएंगे? इसीलिए इंडिया गठबंधन असफल है। इस बीच, सूत्रों के अनुसार, इंडिया ब्ल क के नेता ८ जून को राष्ट्रीय राजधानी में गठबंधन में शामिल सभी पार्टियों की बैठक बुलाने वाले हैं, जिसमें अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के भाग लेने की उम्मीद है। यह बैठक मई में संपन्न हुए चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के बाद हो रही है। तृणमूल कांग्रेस ने स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा था, लेकिन उसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हार का सामना करना पड़ा, जिससे राज्य में पार्टी का १५ साल का शासन समाप्त हो गया। यह घटनाक्रम ममता बनर्जी के उस विरोध प्रदर्शन के साथ मेल खाता है, जिसे पार्टी राज्य में राजनीतिक अशांति के बाद अपने नेताओं पर लक्षित हमले बता रही है। मंगलवार को, टीएमसी प्रमुख ने कोलकाता के रानी रश्मोनी एवेन्यू में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद प्रदर्शन शुरू किया। सांसद डोला सेन और कल्याण बनर्जी सहित वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ, ममता बनर्जी को प्रदर्शन में शामिल होने से पहले भारत के संविधान की एक प्रति लिए हुए भी देखा गया। यह प्रदर्शन अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी सहित कई टीएमसी नेताओं पर कथित हमलों के जवाब में आयोजित किया गया था। पार्टी ने राजनीतिक विरोधियों पर अपने प्रतिनिधियों को डराने और अपनी संगठनात्मक शक्ति को कमजोर करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। इससे पहले इस मुद्दे पर बोलते हुए ममता बनर्जी ने इन घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आपने दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के सांसद पर जिस तरह से हमला किया, वह चौंकाने वाला है। डॉक्टरों को बुलाया गया, फिर भी अस्पतालों को कथित तौर पर इलाज न करने का निर्देश दिया गया। यह किस तरह का बेतुका और तानाशाही व्यवहार है?

आज ही के दिन कोर्ट ने आपकी सरकार को रगड़ा था... ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर तंज

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने एक बार फिर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट में उन्होंने २०१३ की एक न्यायिक टिप्पणी का हवाला देते हुए सपा सरकार के फैसलों पर सवाल उठाए और कहा कि आज ही के दिन कोर्ट ने आपकी सरकार को रगड़ा था। राजभर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि ष्सपा का गढ़, आतंकवाद की जड़'। उन्होंने अखिलेश यादव को संबोधित करते हुए तंज भरे अंदाज में कहा कि उम्मीद है वह हमेशा की तरह 'बेखबर, मस्त और बिना काम के व्यस्त' होंगे। इसके साथ ही उन्होंने ६ जून २०१३ की एक खबर का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए सपा शासनकाल के दौरान आतंकवाद के आरोपियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने के निर्णय को मुद्दा बनाया। राजभर ने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उस समय सरकार से जवाब तलब किया था और आरोपियों की सूची मांगी थी। उन्होंने दावा किया कि उस फैसले को याद करने पर सपा सरकार के 'पाप' सामने आ जाएंगे। साथ ही उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि २०२७ में चुनावी हार का ठीकरा फिर ईवीएम या अन्य व्यवस्थाओं पर नहीं फोड़ा जा सकेगा। उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जिन नेताओं के लिए वे राजनीतिक संघर्ष कर रहे हैं, उन्हें पहले यह समझना चाहिए कि उनके शासनकाल में कौन–कौन से फैसले विवादों में रहे थे। राजभर ने कहा कि प्रदेश की जनता अब पुराने दौर और वर्तमान व्यवस्था के अंतर को अच्छी तरह समझ चुकी है।

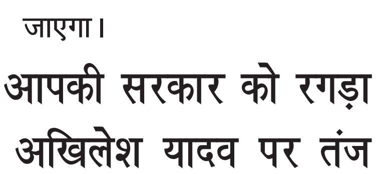

सूरत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी पर बड़ा हमला, बोले- निराशावादी उड़ाते हैं 'आत्मनिर्भर भारत' का मजाक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के सूरत में एक जनसभा को संबोधित किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश में कुछ निराशावादी लोग हैं जो लगातार 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का मजाक उड़ाते हैं और राष्ट्र के इस संकल्प को कमतर आंकते हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस को निशाना बनाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग भूल जाते हैं कि दूसरों पर निर्भर देश कभी भी विकास की उन ऊंचाइयों को हासिल नहीं कर सकता जिनका वह वास्तव में हकदार है। आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं जो लगातार श्आत्मनिर्भर भारतश अभियान का उपहास उड़ाते हैं। वे राष्ट्र के इस संकल्प को लगातार कमतर आंकते हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने हमेशा भारत को अन्य देशों पर निर्भर रखा हैय वे भूल जाते हैं कि दूसरों पर निर्भर देश कभी भी विकास की उन ऊंचाइयों को प्राप्त नहीं कर सकता जिनका वह वास्तव में हकदार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछले १२ वर्षों से अराजकता और अनिश्चितता फैलाकर अवसर तलाश रही है, लेकिन देश की जनता ने उसे बार–बार मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात की जनता ने कांग्रेस को हाशिये पर धकेल दिया है, लेकिन जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां भी जनता पार्टी के कुशासन से तंग आ चुकी है। अभी हाल ही में हिमाचल प्रदेश में भी स्थानीय निकाय चुनाव हुए। वहां कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। हिमाचल प्रदेश की जनता ने कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया है। इससे पहले, कांग्रेस हरियाणा में स्थानीय निकाय चुनाव हार गई थी, और पंजाब की जनता ने भी पार्टी को स्पष्ट संदेश दिया है... अराजकता के बीच अवसर तलाशने की कांग्रेस की राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि दुनिया अभूतपूर्व चुनौतियों के दौर से गुजर रही है। "कुछ समय पहले मैंने कहा था कि यह दशक दुनिया के लिए आपदाओं का दशक साबित हो रहा है। हाल के दिनों में हमने एक के बाद एक वैश्विक आपदाएं देखी हैं। पहले कोविड–१९ के कारण भीषण संकट आयाय फिर विभिन्न स्थानों पर युद्ध छिड़ गए, और एक गंभीर ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया को अस्त–व्यस्त कर दिया है। दुनिया भर में पेट्रोल की कीमतों में लगातार उतार–चढ़ाव हो रहा है, और गैस आपूर्ति श्रृंखलाएं चरमरा रही हैं। मुझे इस बात से अत्यंत संतोष है कि १४० करोड़ भारतीयों के सामूहिक प्रयासों से देश हर संकट का मजबूती से सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार को लेकर जनता में भारी असंतोष है, और यही कारण है कि पार्टी को वहां अपना मुख्यमंत्री बदलना पड़ा। "भारत नकारात्मकता से बहुत आगे निकल चुका हैय यह आशावाद से परिपूर्ण और असाधारण आकांक्षाओं से प्रेरित राष्ट्र है। इसके नागरिक सपनों और दृढ़ संकल्प से भरे हुए हैं, और जनता उस संकल्प को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। जब राष्ट्र की सामूहिक इच्छाशक्ति इतनी दृढ़ होती है, तो वह किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है और इसी में भारत की सच्ची शक्ति निहित है।

तीन साल की मासूम की 'आनुवंशिक विकार' से जंग, इलाज के खर्च को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय पहुंची फैमिली

नई दिल्ली। एक दुर्लभ आनुवंशिक विकार से पीड़ित तीन वर्षीय बच्ची ने अपने पिता के माध्यम से दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है, जिसमें जीवन रक्षक अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के लिए तत्काल सरकारी वित्तीय सहायता की मांग की गई है। परिवार ने अदालत से केंद्र सरकार को आवश्यक धनराशि तत्काल जारी करने का निर्देश देने का आग्रह किया है, उनका तर्क है कि और देरी से बच्चे के जीवन को गंभीर खतरा हो सकता है। ५ जून को अदालत की अवकाशकालीन बैठक में मामले की सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति अमित शर्मा ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और उसे निर्देश प्राप्त करने के लिए समय दिया। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, मामले को ८ जून को अवकाशकालीन पीठ के समक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। याचिका याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अशोक अग्रवाल के नेतृत्व में अनुज अग्रवाल एंड कंपनी, एडवोकेट्स के माध्यम से दायर की गई है। याचिका में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को निर्देश देने की मांग की गई है कि बच्चे के हैप्लोआइडेंटिकल बोन मैरो ट्रांसप्लांट और ऑपरेशन के बाद के उपचार के लिए आवश्यक संपूर्ण राशि सीधे चेन्नई के अपोलो अस्पताल को स्वीकृत और जारी की जाए, जहां इस प्रक्रिया की सिफारिश की गई है। इसमें यह सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश देने की मांग की गई है कि उपचार बिना किसी और देरी के शुरू हो। याचिका के अनुसार, बच्ची संस्कृति भगत उर्फ "सांची, एलआरबीए (लिपोप लीसेकेराइड–रिस्प न्सिव बेज–लाइक एंकर प्रोटीन) की कमी से पीड़ित है, जो एक अत्यंत दुर्लभ आनुवंशिक विकार है जो शरीर के प्रतिरक्षा विनियमन तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित करता है, जिससे रोगी बार–बार होने वाले संक्रमणों और गंभीर ऑटोइम्यून जटिलताओं के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं। परिवार का कहना है कि लंबे चिकित्सीय उपचार के बाद निदान हुआ याचिका में कहा गया है कि जन्म के कुछ महीनों के भीतर ही बच्चे को बार–बार बुखार आने लगा और गंभीर एनीमिया हो गया, जिसके लिए उसे कई बार रक्त और प्लेटलेट चढ़ाने पड़े। दिल्ली एम्स, वेल्लोर सीएमसी और अन्य विशेषज्ञ केंद्रों में परामर्श के बाद, कथित तौर पर २०२५ में किए गए संपूर्ण जीनोम परीक्षण ने एलआरबीए की कमी के निदान की पुष्टि की।

आसिम मुनीर की नीतियों से पाकिस्तान को नुकसान

नई दिल्ली। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की नीतियां देश के लिए मुश्किलें पैदा कर रही हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर समस्याएं झेलनी पड़ रही है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तमाम कूटनीतिक प्रयासों और दिखावे के बावजूद पाकिस्तान को कोई ठोस सफलता नहीं मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान इस समय गंभीर आर्थिक और ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। देश में महंगाई दर ३०० प्रतिशत तक पहुंचने की बात कही गई है, जबकि ऊर्जा क्षेत्र लगभग ठप होने की स्थिति में है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान–अमेरिका मध्यस्थता के मुद्दे पर पाकिस्तान की भूमिका बेहद सीमित रही, जिससे शांति वार्ता भी कमजोर स्थिति में पहुंच गई। 'इंडिया नैरेटिव' की रिपोर्ट में कहा गया फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने मध्य पूर्व में प्रभाव बढ़ाने और अमेरिका के साथ संबंध सुधारने के लिए कई महीनों तक तथाकथित कूटनीतिक प्रयास किए, लेकिन पाकिस्तान की भूमिका केवल संदेशवाहक तक सीमित रही। इस भूमिका का इस्तेमाल मुख्य रूप से प्रचार के लिए किया गया। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि पाकिस्तान की सेना इस समय कई मोर्चों पर दबाव झेल रही है। पश्चिमी सीमा पर बलूचिस्तान की समस्या, कट्टरपंथी तत्वों की सक्रियता और पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों की मौजूदगी सेना के लिए चुनौती बनी हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि लश्कर–ए–तैयबा जैसे संगठन कथित तौर पर आसिम मुनीर को धमकियां दे रहे हैं, यदि पाकिस्तान इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने की दिशा में आगे बढ़ता है। देश के भीतर और बाहर बढ़ते दबाव के कारण आसिम मुनीर की कमजोर स्थिति की ओर ये रिपोर्ट ध्यान दिलाती है । इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान की सैन्य और राजनीतिक व्यवस्था कई मोर्चों पर संकट का सामना कर रही है और मुनीर को अपनी रणनीति बदलनी पड़ सकती है। रिपोर्ट में पिछले वर्ष हुए पहलगाम आतंकी हमले का भी उल्लेख किया गया है, जिसके लिए पाकिस्तान समर्थित संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट को जिम्मेदार बताया गया। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच ८८ घंटे तक चले सैन्य टकराव का जिक्र करते हुए दावा किया गया कि इस संघर्ष में पाकिस्तान की सैन्य प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। इसमें आगे कहा गया, "अब मुनीर फिर से घरेलू और वैश्विक, दोनों मोर्चों पर प लीक्राइसिस (अलग–अलग मोर्चों पर संकट झेलना) के कगार पर खड़े दिख रहे हैं, जिससे पाकिस्तान की आर्मी में मुनीर की लीडरशिप पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं, साथ ही मध यस्थता का ड्रामा भी कूटनीति के बजाय सैन्य प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा कर खत्म हुआ। बढ़ती चुनौतियों के बीच आसिम मुनीर पूर्व सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ की तरह सीमित स्तर के तनाव और प्रचार आधारित रणनीति अपना सकते हैं, ताकि घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाया जा सके और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी जा सके।

दिल्ली से सिलीगुड़ी अब ६ घंटे में! अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का किया ऐलान

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के लिए बुलेट ट्रेन परियोजना की घोषणा करते हुए कहा कि प्रस्तावित कॉरिडोर दिल्ली और सिलीगुड़ी को लखनऊ, वाराणसी और पटना होते हुए जोड़ेगा। वैष्णव ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बुलेट ट्रेन परियोजना शुरू होने जा रही है। यह दिल्ली और सिलीगुड़ी को लखनऊ, वाराणसी और पटना होते हुए जोड़ेगी। बुलेट ट्रेन से यात्रा में केवल छह घंटे लगेंगे। मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में रेलवे के लिए धनराशि यूपीए सरकार के दौरान ४,००० करोड़ रुपये से बढ़कर नरेंद्र मोदी सरकार के तहत १४,२०५ करोड़ रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने ४,००० करोड़ रुपये आवंटित किए थे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में रेलवे के विकास के लिए १४,२०५ करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। वैष्णव ने आरोप लगाया कि पिछली राज्य सरकार द्वारा अनुमति न दिए जाने के कारण कई रेलवे परियोजनाएं विलंबित रहीं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश, पिछली राज्य सरकार ने काम की अनुमति नहीं दी। कई मामलों में, केवल प्रशासनिक मंजूरी की ही आवश्यकता थी। कुछ परियोजनाएं तो अदालत तक भी गईं। रेल मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल को कई अन्य राज्यों से पहले वंदे भारत स्लीपर और अमृत भारत ट्रेनें मिलीं और भविष्य में और भी परियोजनाओं की घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में कोलकाता में ४५ किलोमीटर मेट्रो लाइन का निर्माण पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि ४२ वर्षों में, जब यहां विपक्षी सरकार थी, तब केवल २८ किलोमीटर मेट्रो का निर्माण पूरा हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, कोलकाता में ४५ किलोमीटर मेट्रो लाइन का निर्माण पूरा हो चुका है।

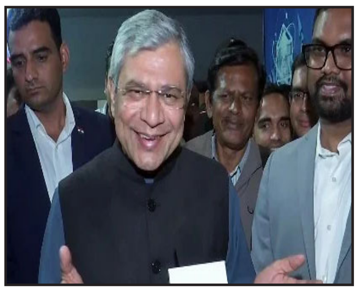

प्रदर्शन पसंद नहीं, पर न्याय के लिए यह जरूरी है, जंतर–मंतर से सोनम वांगचुक की हुंकार

नई दिल्ली। शिक्षाविद और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक शनिवार को दिल्ली के जंतर–मंतर पर सैकड़ों छात्रों और युवा पेशेवरों के साथ शामिल हुए। उन्होंने परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ युवाओं के नेतृत्व में हो रहे विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया और भारत की शिक्षा प्रणाली में तत्काल सुधार की मांग की। अ नलाइन आंदोलन 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) द्वारा आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वांगचुक ने कहा कि उन्हें विरोध प्रदर्शन पसंद नहीं हैं, लेकिन न्याय की मांग कर रहे छात्रों के साथ खड़ा होना उनके लिए विवश था। उन्होंने भीड़ से कहा कि मुझे विरोध प्रदर्शन पसंद नहीं है, लेकिन हमें न्याय के लिए ऐसा करना होगा। जिस पर भीड़ ने जोरदार तालियों से उनका समर्थन किया। वांगचुक ने प्रदर्शन की अनुमति देने के लिए केंद्र सरकार की प्रशंसा भी की और तर्क दिया कि देश की शिक्षा प्रणाली में मौलिक परिवर्तन की आवश्यकता है। वांगचुक के सबसे सशक्त हस्तक्षेपों में से एक तब सामने आया जब उन्होंने सुझाव दिया कि राजनेताओं और नौकरशाहों के बच्चों को सरकारी शिक्षण संस्थानों में पढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यवस्था का हिस्सा बनने वाले लोगों को भी वही शैक्षिक सुविधाएं मिलनी चाहिए जो आम नागरिकों को उपलब्ध हैं, और उनका मानना घ्ध्है कि इस कदम से सार्थक सुधार होंगे। जब छात्रों ने बार–बार नारे लगाकर उनसे शिक्षा मंत्री बनने की मांग की, तो वांगचुक ने किसी भी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को ढ़ता से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मेरी राजनीति में आने की कोई इच्छा नहीं है। मैं चाहता हूं कि युवा जिम्मेदारी लें। विरोध प्रदर्शन में उस समय भावुकता का भी दौर आया जब आयोजकों ने उन छात्रों को श्रद्धांजलि दी जिनकी मृत्यु पेपर लीक, परीक्षा के दबाव और शिक्षा प्रणाली की खामियों के कारण हुई बताई जाती है। सभा में शामिल लोगों के सामने आत्महत्या करने वाले छात्रों के नाम पढ़े गए, और उपस्थित लोगों ने मौन धारण किया। कई उपस्थित लोगों ने आंदोलन के प्रतीक तिलचट्टे के मुखौटे पहने थे, जबकि अन्य लोग फूल और राष्ट्रीय ध्वज लिए हुए थे। स्कूली छात्र अपने माता–पिता के साथ उपस्थित थे, और क लेज के छात्रों और युवा पेशेवरों के साथ कार्यक्रम स्थल पर शामिल हुए। इससे पहले, सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने सरकार पर आरोप लगाया था कि वह परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे सहित उनकी मांगों को संबोधित करने के बजाय संगठन की सोशल मीडिया गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

'खान सर Firing Case में नया ट्विस्ट, गिरफ्तारी के डर से Anticipatory Bail के लिए लगाई अर्जी

नई दिल्ली। फैसल खान, जिन्हें लोकप्रिय रूप से 'खान सर' के नाम से जाना जाता है, ने शनिवार को बिहार के पटना स्थित एक अदालत में अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी। उनका नाम शहर में उनके कोचिंग सेंटर में हुई तोड़फोड़ के संबंध में दर्ज एफआईआर में सामने आया है। उनके वकील ने कहा कि इस प्रतिष्ठित शिक्षक का नाम प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान के निदेशक द्वारा रची गई साजिश के तहत मामले में शामिल किया गया है। यह घटना खान ग्लोबल स्टडीज इंस्टीट्यूट में कथित तौर पर तोड़फोड़ और पत्थरबाजी करने वाले १५–२० लोगों के एक समूह के कुछ दिनों बाद घटी है। यह घटना मंगलवार रात को हुई थी। बाद में, गुरुवार, ४ जून को, पुलिस ने खान के कोचिंग सेंटर में कार्यरत दो गार्डों को तोड़फोड़ के दौरान गोली चलाने के आरोप में हिरासत में लिया। यह हिरासत एक वायरल वीडियो के बाद हुई, जिसमें गार्डों को गोली चलाते हुए दिखाया गया था। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान दोनों गार्डों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने खान के निर्देश पर गोली चलाई थी। उन्होंने दावा किया कि कोचिंग सेंटर के बाहर हुई हाथापाई की घटना के बाद गोलीबारी का आदेश दिया गया था, जब स्थिति बिगड़ गई और भीड़ जमा हो गई। अपने मुवक्किल के लिए अग्रिम जमानत याचिका दायर करने अदालत पहुंचे खान के वकील अरविंद कुमार माव्वर ने कहा कि गार्डों ने सुरक्षा के लिए हवा में गोली चलाई थी और कोई घायल नहीं हुआ। उन्होंने दावा किया कि खान को झूठा फंसाने के लिए एफआईआर में उनका नाम गलत तरीके से डाला गया है। माव्वर ने कहा कि यह उन्हें (खान को) फंसाने और बदनाम करने की कोशिश है। हम अग्रिम जमानत याचिका दायर करेंगे। वकील ने कहा कि गार्डों ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं। तोड़फोड़ की घटना के तुरंत बाद, खान ने आरोप लगाया था कि प्रतिद्वंद्वी कोचिंग संस्थान के लोग गोलीबारी के पीछे थे, हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि गोलीबारी हुई थी या नहीं, इसकी पुष्टि केवल पुलिस जांच से ही हो सकती है।

वैभव सूर्यवंशी के टीम इंडिया में चयन से ताजपुर में जश्न

मुंबई। बिहार के समस्तीपुर जिले के ताजपुर गांव में शनिवार को खुशी का माहौल देखने को मिला, जब युवा बाएं हाथ के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का पहली बार भारतीय टीम में चयन हुआ। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टी२० टीम के साथ–साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम में जगह मिली है। मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में सचिव देवजीत सैकिया द्वारा जैसे ही वैभव के नाम की घोषणा की गई, ताजपुर गांव में उत्सव शुरू हो गया। गांव के लोग, रिश्तेदार और शुभचिंतक उनके घर पहुंचने लगे। लोगों ने एक–दूसरे को लड्डू खिलाए और पटाखे फोड़कर अपनी खुशी का इजहार किया। वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पूरा परिवार इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। उन्होंने कहा, ”हम घर पर थे और किसी अच्छी खबर का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही चयन की घोषणा हुई, पूरा गांव हमें बधाई देने पहुंच गया। मिठाइयां बांटी गईं और पटाखे फोड़े गए। हम बेहद खुश हैं। वैभव ने बचपन से देश के लिए खेलने का सपना देखा था और आज उसकी मेहनत रंग लाई है। आईपीएल २०२६ में राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए वैभव ने ७७६ रन बनाए और ७२ छक्के लगाए। इससे पहले वह ६ से २१ जून तक श्रीलंका में होने वाली इंडिया–ए की त्रिकोणीय वनडे सीरीज में हिस्सा लेंगे और उसके बाद सीनियर टीम से जुड़ेंगे। अगर वैभव आयरलैंड या इंग्लैंड दौरे पर अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करते हैं, तो वह १६ वर्ष की उम्र पूरी होने से पहले भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। इससे पहले महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने १६ साल २०५ दिन की उम्र में टेस्ट और १६ साल २३८ दिन की उम्र में वनडे डेब्यू किया था, जबकि टी२० अंतरराष्ट्रीय में भारत के सबसे युवा खिलाड़ी व शिंगटन सुंदर रहे हैं, जिन्होंने १८ साल ८० दिन की उम्र में पदार्पण किया था। संजीव सूर्यवंशी ने बताया कि उन्हें पहले से ही विश्वास था कि इस बार वैभव को भारतीय टीम में मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, अंडर–१६ विश्व कप, इमर्जिंग एशिया कप और आईपीएल में उसके शानदार प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा। उन्होंने कहा, ”बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने वैभव पर भरोसा जताया है, इसके लिए हम उनके आभारी हैं। मुझे पहले से महसूस हो रहा था कि इस बार उसका चयन जरूर होगा। वैभव के संघर्ष को याद करते हुए उनके पिता ने बताया कि उन्होंने पांच साल की उम्र से ही बेटे को क्रिकेट खिलाना शुरू कर दिया था। बाद में हर दूसरे दिन ताजपुर से पटना की जेन नेक्स्ट अकादमी तक करीब ढाई घंटे का सफर तय कर उसे अभ्यास के लिए ले जाते थे। वहीं उनकी मां आरती सिंह रोज सुबह तीन बजे उठकर बेटे के लिए घर का खाना तैयार करती थीं। संजीव ने कहा, ”हर माता–पिता अपने बच्चों के लिए मेहनत करते हैं। हमने भी वैभव के लिए पूरी मेहनत की, लेकिन असली मेहनत उसी बच्चे ने की है। जब वह ८–१० साल का था, तभी महसूस हो गया था कि उसमें कुछ अलग बात है। आज उसका सपना पूरा हुआ है और हम बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। महज १२ साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बनने वाले वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय टीम की नीली जर्सी पहनने के लिए तैयार हैं। उनके पिता ने भावुक होकर कहा, ”बस आप सबका आशीर्वाद बना रहेय वह आगे भी देश का नाम रोशन करेगा।

मिस्र ने कुवैत और बहरीन पर कथित ईरानी हमलों की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली। मिस्र ने कुवैत और बहरीन को निशाना बनाए गए कथित ईरानी हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। शनिवार को मिस्र ने इन हमलों को दोनों देशों की संप्रभुता का स्पष्ट उल्लंघन और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा व स्थिरता के लिए ”खतरनाक उकसावे“ की कार्रवाई बताया। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए कहा कि वह कुवैत और बहरीन के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है और इस हमले का सामना करने के लिए उनके द्वारा उठाए गए सभी कदमों का समर्थन करता है। मंत्रालय ने कहा कि दोनों देश अपनी सुरक्षा, स्थिरता और महत्वपूर्ण ढांचागत परिसंपत्तियों की रक्षा के लिए जो भी कदम उठाएंगे, मिस्र उनका समर्थन करेगा। बयान में आगे कहा गया कि अरब खाड़ी देशों की सुरक्षा और स्थिरता, अरब राष्ट्रीय सुरक्षा की एक बुनियादी आधारशिला है। मिस्र ने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी भी ऐसे कार्य या नीति को पूरी तरह खारिज करता है जो किसी देश की संप्रभुता का उल्लंघन करे या उसकी क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा को खतरे में डाले। मिस्र ने चेतावनी दी कि इस तरह की घटनाएं पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा करती हैं और इससे तनाव और अधिक बढ़ सकता है। दरअसल, आईआरजीसी ने शनिवार सुबह दावा किया कि उसने यूएस सेंट्रल कमांड के खिलाफ जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर हमला किया। इसके बाद सेंटकाम ने कहा कि उसने ईरान की ओर से बहरीन और कुवैत की ओर भेजी गई बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन को इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसे लेकर एक बयान जारी किया। उनके अनुसार, ५ जून को ईरान ने पहले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की दिशा में चार एकतरफा हमला करने वाले ड्रोन भेजे थे। अमेरिकी बलों ने इन सभी ड्रोन को मार गिराया। ये ड्रोन क्षेत्र में समुद्री यातायात के लिए तत्काल खतरा पैदा कर रहे थे। ड्रोन हमलों के कुछ घंटों बाद ईरान ने कुवैत और बहरीन की ओर सात बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। शुरुआती आकलन के मुताबिक इनमें से छह मिसाइलों को बीच रास्ते में ही रोककर नष्ट कर दिया गया, जबकि सातवीं मिसाइल अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचने में विफल रही। साथ ही, ईरान की ओर से किए गए उस दावे को भी खारिज कर दिया गया है, जिसमें कहा गया था कि बहरीन स्थित अमेरिकी नौसेना के ५वें बेड़े के मुख्यालय को नुकसान पहुंचा है।

भारत से कमाई कर रहा अमेरिका

नई दिल्ली। भारत के साथ चार दिन तक हुई व्यापार वार्ता का अंतिम नतीजा नहीं निकला है लेकिन उससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि अब तक भारत ने अमेरिका पर बहुत टैरिफ लगा कर फायदा उठाया है लेकिन अब अमेरिका ज्यादा लाभ कमा रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब भारत से अच्छी कमाई कर रहा है। ट्रंप ने यह भी कहा कि उनका देश भारत के साथ अच्छी व्यापार संधि करेगा। यह कहने के बाद उन्होंने अपनी बात को कवर करने के लिए यह भी कह दिया कि भारत बहुत महान देश है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके अच्छे दोस्त हैं। गौरतलब है कि एक जून को अमेरिकी टीम के सदस्य भारत आए और व्यापार संधि को लेकर तय फ्रेमवर्क के हिसाब से वार्ता की। दोनों पक्षों की ओर से कहा गया कि ९९ फीसदी चीजें तय हो गई हैं। इस बीच राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'लंबे समय तक भारत ने अमेरिका पर ऊंचे टैरिफ लगाए और उसका फायदा उठाया'। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि 'अब स्थिति बदल गई है और अमेरिका भारत से अच्छी कमाई कर रहा है'। राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा, 'अमेरिका और भारत के बीच जल्दी ही एक बड़ा व्यापार समझौता भी हो सकता है, क्योंकि मैं मोदी को बहुत पसंद करता हूं। मोदी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारे संबंध अच्छे हैं और हम एक दूसरे को अच्छी तरह समझते हैं'। ट्रंप के इस बयान से पहले भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर ९९ फीसदी सहमति बन गई है। भारत के उद्योग व वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी यही बात कही। गौरतलब है कि दोनों देश एक अस्थायी व्यापार समझौते पर सहमति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि व्यापार से जुड़े कुछ मुद्दों का जल्दी समाधान किया जा सके। इससे पहले दोनों देशों ने समझौते का फ्रेमवर्क तय करने का ऐलान किया था। वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि जून के पहले हफ्ते में हुई बातचीत सकारात्मक रही है और दोनों देश ऐसा समझौता करना चाहते हैं जिससे भारत और अमेरिका, दोनों को फायदा हो। हालांकि समझौते को लेकर बातचीत के बीच एक नई मुश्किल भी खड़ी हो गई है। अमेरिका ने कुछ देशों पर अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिका का कहना है कि ये देश जबरन मजदूरी से जुड़े मामलों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहे हैं। इस प्रस्तावित सूची में भारत का नाम भी शामिल है। अगर यह फैसला लागू होता है, तो अमेरिका जाने वाले भारतीय सामान पर साढ़े १२ फीसदी अतिरिक्त शुल्क लग सकता है।

अंडर-१८ एशिया कपः जापान में UP के पांच खिलाड़ियों ने बढ़ाया प्रदेश का मान, CM योगी ने भारतीय ह की टीम को दी बधाई

लखनऊ। जापान में आयोजित पुरुष अंडर–१८ एशिया कप २०२६ में भारतीय ह की टीम के स्वर्ण पदक जीतने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खिलाड़ियों और देशवासियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक विजय ने देश को गौरवान्वित किया है और भारतीय ह की को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के पांच खिलाड़ियों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि केतन कुशवाहा, शाहरुख अली, प्रह्लाद राजभर, राहुल यादव और रोमित पाल ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन और समर्पण से प्रदेश का मान बढ़ाया है। इन खिलाड़ियों की उपलब्धि युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। योगी आदित्यनाथ ने भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और सहयोगी दल को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता भारतीय खेल प्रतिभा, मेहनत और टीम भावना का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारतीय हॉकी भविष्य में भी विश्व मंच पर नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारतीय हॉकी टीम की यह स्वर्णिम यात्रा निरंतर आगे बढ़े और विश्व स्तर पर देश का गौरव बढ़ाती रहे। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य और आगामी प्रतियोगिताओं में और बेहतर प्रदर्शन की मंगलकामना की।

अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

धौरहरा खीरी। शनिवार को तहसील धौरहरा के सभागार अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नरेंद्र बहादुर सिंह ने खीरी की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में कुल ६८ प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।जिसमें से राजस्व विभाग से संबंधित ६ प्रार्थना पत्र का निस्तारण मौके पर कराया गया।वही धारा २४ उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता के अंतर्गत मेड़बंदी किए जाने के पश्चात पिलर को क्षति पहुंचाने के प्रकरण में ग्राम वाली निवासी वादी जवाहरलाल व ग्राम बबुरी से वादी मौजीलाल की तहरीर पर क्षति पहुंचाने वालो के विरुद्ध कोतवाली धौरहरा में प्राथमिक की दर्ज कराई गई। वही अपर जिलाधिकारी द्वारा विगत तहसील दिवसों में प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों तथा उनके निस्तारण आख्या के प्रति सभागार में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को पुनः प्राप्त कराई गई तथा निर्देशित किया गया कि अगले तहसील दिवस में उक्त निस्तारण आख्याओं का भौतिक सत्यापन करते हुए रिपोर्ट सहित उपस्थित रहेंगे। संपूर्ण समाधान दिवस में अनुपस्थित एडीओ सहकारिता विकासखंड रमियाबेहड़ का वेतन बाधित करने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। अपर जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक शिकायती प्रार्थना पत्र को बड़ी गंभीरता से सुना तथा गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किए जाने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। वेंडर आशीष शुक्ला द्वारा शिकायतों में सिर्फ मोहर लगाकर सभागार में भेजने पर तत्काल वेंडर से जवाब तलब करते हुए प्रत्येक शिकायत परें माकं संख्या डालने की नसीहत देते हुए कहा कि नंबर पड़ने से शिकायतकर्ता अपनी शिकायत की लोकेशन व कार्यवाही देख सके।इस दौरान एसडीएम शशीकांत मणि, तहसीलदार आदित्य विशाल, क्षेत्राधिकारी शमशेर बहादुर सिंह,वीडियो रमियाबेहड़ श्रद्धा गुप्ता,ईओ गौरव सिंह सहित राजस्व निरीक्षक सहित अन्य विभागों के जिम्मेदारो की मौजूदगी रही। सभागार से निकलने के बाद एसडीएम संग एडीएम कार्यालय नगर पंचायत धौरहरा में मौजूद सभी पटलों का निरीक्षण करते हुए फाईलों का उचित रखरखाव करने के लिए ईओ व लिपिक को निर्देश दिए।

वामा सारथी द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार के मेधावी बच्चों का सम्मान एवं 'वामा इको चौंप्स' पहल का शुभारम्भ

लखनऊ। पुलिस मुख्यालय स्थित अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद ऑडीटोरियम में श्रीमती मीनाक्षी सिंह, **IR**, अध्यक्षा वामा सारथी (उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन) एवं धर्मपत्नी श्री राजीव कृष्णा, पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में सेवारत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मेधावी बच्चों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है कि वामा सारथी द्वारा शैक्षणिक सत्र २०२४–२५ में हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट में ९० प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल २६७ छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया था जबकि इस वर्ष कुल ४३८ मेधावी छात्र–छात्रों ने ९० प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये, जिन्हे सम्मानित किया गया। इस वर्ष पुलिस परिवार के २३५ बच्चों को **professional course** में **dmission** प्राप्त करने में सफलता मिली। **B-Tech** में ६७ बच्चे (२६ **IIT**, २३ **NIT**, ११ **Triple IT**) **MBB** में १०३ बच्चे (२ ।प्ध्डै, ६३ **Govt- Medical College**) **M-Tech** १२, **MBA** ५ जिसमें २ बच्चे **IIM** में आये ।**Total** २३५ बच्चों का भी सम्मान किया गया। **Police Modern Schools** के १९२ **Principals/Teachers** की **Training Azim Premji foundation** की सहभागिता से कराई गई। ७१ जनपद में २१५३ विधार्थी की **counselling** कराई गई। इस वर्ष सभी पुलिस लाइन में **Vaama Reading Books** एवं **Libraries** की स्थापना पर काफी प्रयास किये गये और ३०२६ प्रतिभागियों द्वारा ठववो कवदंजम की गई। **Reading habits** को बढ़ावा देने के लिए जनपदों में बुक **Fair** भी लगवाये जा रहे हैं जहाँ उचित रेट्स पर बच्चों को पुस्तके उपलब्ध कराई जा रही है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में २४५१ बच्चों ने परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित कार्यशालाओं में भाग लिया। अपने संबोधन में श्रीमती मीनाक्षी सिंह ने मेधावी छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी सफलता परिश्रम, अनुशासन, अभिभावकों के त्याग एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वामा सारथी पुलिस परिवारों के बच्चों के शैक्षिक, बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास के लिए विभिन्न पहलें संचालित कर रही है, जिसके अंतर्गत कैरियर काउंसलिंग, मेंटरशिप, शिक्षक प्रशिक्षण तथा प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने "वामा इको चौंप्स" पहल का शुभारम्भ करते हुए बच्चों से पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण एवं वृक्षारोपण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने तथा अनुशासित, संवेदनशील एवं राष्ट्रहित के प्रति समर्पित नागरिक बनने का आह्वान किया। ष्वामा इको चौंप्सष के बच्चों द्वारा कार्यक्रम मे उपस्थित समस्त अतिथिगण एवं प्रतिभागीगणों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। शपथ के माध्यम से सभी के द्वारा प्रेंति एवं पर्यावरण के संरक्षण, जल एवं प्राकृतिक संसाधन के विवेकपूर्ण उपयोग, वृक्षारोपण एवं पौधों की देखभाल, स्वच्छता बनाए रखने, प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने, कूड़े–कचरे का उचित निस्तारण करने, पशु–पक्षियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने , दस अन्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण की शपथ दिलाने का संकल्प लिया। श्री राजीव कृष्ण पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश द्वारा कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि उनकी सफलता परिश्रम, अनुशासन, दृढ़ संकल्प एवं विपरीत परिस्थितियों में भी निरंतर आगे बढ़ने की क्षमता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जीवन में केवल अच्छे अंक ही नहीं, बल्कि जिज्ञासु बने रहना, चुनौतियों से सीखना, बड़े सपने देखना तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास के साथ सतत प्रयास करना भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम में वामा सारथी के पदाधिकारियों श्रीमती रेनू सिंह, श्रीमती श्वेता सेंगर, श्रीमती चारू गाबा, श्रीमती सृष्टि धवन, श्रीमती चेतना गुप्ता, श्रीमती बृजरानी स्वर्णकार, श्रीमती आरती वर्मा, श्रीमती पुनीता सिंह, श्रीमती आकांक्षा सिंह आदि ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त कोचिंग संस्थान वैद्य **ICS** के श्री पी एम त्रिपाठी, ध्येय फाउन्डेशन के श्री विजय सिह, कैरियर लॉंचर के श्री सलीम, लॉ प्रेप ट्यूटोरियल की सुश्री रोमा, एकेडमी फॉर कैरियर्स की सुश्री शिप्रा, शील्ड डिफेन्स के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया गया।

सीतापुर मानसी हत्याकांड : आरोपी प्रेमी पुलिस मुठभेड़ में घायल, प्यार-प्रेग्नेंसी और मर्डर, जानें पूरा मामला

सीतापुर/लखनऊ। प्रेमिका की हत्या का आरोपी पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान एक कथित मुठभेड़ में घायल हो गया। यह जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। पुलिस के अनुसार १६ वर्षीय युवती की उसके प्रेमी द्वारा गर्भवती होने के बाद कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी और युवती का कंकाल लखनऊ के बाहरी इलाके में एक वन क्षेत्र में मिला था।पुलिस के अनुसार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था और बाद में पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश के दौरान वह एक कथित मुठभेड़ में वह घायल हो गया। पुलिस के अनुसार युवती सीतापुर जिले की रहने वाली थी और वह २५ मई को क लेज जाने के लिए अपने घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। पुलिस के अनुसार बाद में संदना पुलिस थाने में अपहरण का एक मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और सीतापुर जिले के निवासी विशाल पाल से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार जांचकर्ताओं के अनुसार, विशाल और युवती के बीच संबंध था और युवती गर्भवती हो गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर शादी और गर्भावस्था से संबंधित विवाद के बाद उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी द्वारा दी गई जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, संदना पुलिस वन क्षेत्र में पहुंची। पुलिस ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान, पुलिस ने कथित तौर पर पीड़िता द्वारा पहने गए कपड़े, एक चप्पल, खोपड़ी जैसा कंकाल का अवशेष, हड्डियां और बाल बरामद किए। अधिकारियों ने कहा कि मौके पर मौजूद परिवार के सदस्यों ने बरामद कपड़ों और अन्य अवशेषों की पहचान की। पुलिस ने कहा कि शव कंकाल की हालत में बरामद किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और एक फोरेंसिक टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र किए। अधिकारियों ने कहा कि अवशेष को पोस्टम र्टम जांच के लिए भेज दिया गया है, जबकि जरूरत पड़ने पर डीएनए प्रोफाइलिंग और अन्य फोरेंसिक परीक्षण किए जाएंगे। सीतापुर के अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश सिंह ने कहा कि मामले के सिलसिले में विशाल पाल को गिरफ्तार किया गया और पूछताछ के दौरान कथित तौर पर उसने युवती की हत्या करने की बात कबूल कर ली। अधिकारी ने कहा कि शनिवार को, जब संदाना पुलिस की एक टीम आरोपी को अपराध से जुड़े सबूत बरामद करने के लिए ले जा रही थी, तो उसने शौच जाने की अनुमति मांगी और कथित तौर पर पिस्तौल छीनकर और पुलिस टीम पर गोलीबारी करके भागने का प्रयास किया। सिंह ने कहा कि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और आरोपी के पैर में गोली लगी, बाद में उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपी की निशानदेही पर महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए गए हैं और आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है।

एलईडी वैन से गांव-गांव पहुंचेगा विकास का संदेश, जनकल्याण अभियान को मिली रफ्तार

लखीमपुर खीरी। केंद्र सरकार के १२ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में ०५ जून से २१ जून तक चलाए जा रहे समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान को गति देने के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने व्यापक तैयारी की है। इसी क्रम में गुरुवार को दो एलईडी वैन को हरी झंडी दिखाकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए रवाना किया, जो गांव-गांव जाकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करेंगी। कार्यक्रम में विधायक सदर योगेश वर्मा एवं सीडीओ अभिषेक कुमार ने संयुक्त रूप से वैनों को रवाना किया। इस दौरान विधायक सदर योगेश वर्मा ने कहा कि सरकार की मंशा है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, जिसके लिए जन-जागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है। इन एलईडी वैनों के माध्यम से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों का दृश्य-श्रव्य माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाएगा। वैनों में लगे डिजिटल स्क्रीन के जरिए लोगों को योजनाओं की जानकारी सरल और प्रभावी तरीके से दी जाएगी। अभियान के तहत यह वैन २१ जून तक जिले के सभी विकास खंडों में निर्धारित रूट प्लान के अनुसार भ्रमण करेंगी और सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, हाटों व गांवों में रुककर योजनाओं का प्रसारण करेंगी।सीडीओ अभिषेक कुमार ने बताया कि वैन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ेगी और अधिक से अधिक पात्र लोग सरकारी योजनाओं से जुड़ सकेंगे।

शांति कमेटी की बैठक का हुआ आयोजन

धौरहरा खीरी। आगामी होने वाले मोहर्रम त्योहार को लेकर शनिवार कोतवाली परिसर में एसडीएम व क्षेत्राधिकारी की अध्यक्षता में शान्ति कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। जानकारी के मुताबिक जून माह में पड़ने वाले मोहर्रम त्योहार को शान्ति पूर्वक सम्पन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार कोतवाली परिसर में एसडीएम धौरहरा शशीकांत मणि व क्षेत्राधिकारी धौरहरा शमशेर बहादुर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में मौजूद लोगो को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि ताजिया की उंचाई १० फिट से १२ फिट तक होगी। ग्रामीणों से रूबरू होकर सुझाव मांगे।रास्ते व अन्य प्रकार की समस्यायों के निराकरण के लिए पुलिस राजस्व की टीम निगरानी करेंगी। त्योहार के दौरान अनावश्यक वाद विवादध्मार पीट होने पर कठोर कार्रवाई होगी।इस दौरान प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा,चेयरमैन नफीस खान,क्षेत्रीय प्रधान गण,उप निरीक्षक गण समस्त पुलिस बल के साथ सैकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी रही। बैठक की जानकारी क्षेत्रीय पत्रकारों को नहीं दी गई जिससे काफी आक्रोश दिखा।

वन माफियाओं पर सख्ती के साथ देवा रेंज को दिलाई नई पहचान, वन क्षेत्राधिकारी को स्थानांतरण पर भावभीनी विदाई

देवा/बाराबंकी। वर्ष २०२२ से देवा रेंज का कार्यभार संभाल रहे वन क्षेत्राधिकारी मयंक सिंह का स्थानांतरण पश्चिमी सोहेलवा रेंज, सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग बलरामपुर में हो गया है। शनिवार को देवा रेंज परिसर में आयोजित समारोह में उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। करीब चार वर्षों के कार्यकाल में मयंक सिंह ने वन माफियाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए अवैध कटान, लकड़ी तस्करी और वन भूमि पर कब्जों के विरुद्ध अभियान चलाया। उनके नेतृत्व में करोड़ों रुपये मूल्य की वन विभाग की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया तथा कई अभियोग दर्ज किए गए। वन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी उनका कार्यकाल उल्लेखनीय रहा। देवा रेंज में व्यापक वृक्षारोपण कराया गया। उनकी देखरेख में शाहपुर पौधशाला ने १०६ पौध प्रजातियों का उगान कर 'जैव अविविधता पौधशाला पुरस्कार- २०२५' में अयोध्या मंडल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। गर्मी के दौरान वन्यजीवों और पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था तथा घायल वन्यजीवों के रेस्क्यू कार्य भी प्राथमिकता से कराए गए। विदाई समारोह में विभागीय कर्मचारियों और क्षेत्रीय लोगों ने उनके सरल, मिलनसार एवं जनहितैषी कार्यशैली की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

युवती को बहला फुसला कर भगाने बाले को हैदराबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में थाना पर दिनांक २६.०५.२०२६ को वादी असफाक पुत्र उस्मान नि० ग्राम धिरावा थाना हैदराबाद जनपद लखीमपुर खीरी द्वारा विपक्षी द्वारा वादी की पुत्री को बहला फुसला कर भगा ले जाने के सम्बन्ध में प्रा० पत्र दिया प्राप्त प्रा० पत्र के आधार पर मु०अ०स० १६२/२६ धारा १३७(२),८७ BN पंजीकृत कर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त रवी उर्फ अजय पुत्र रामसागर नि०ग्रा० पुनर्भू ग्रन्ट थाना गोला जनपद खीरी उम्र २६ वर्ष को दिनांक ०६.०६.२०२६ को गिरफ्तार कर अभियुक्त की यक्ष ऐप पर आईडी जनरेट करते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु मा० न्यायालय खीरी के समक्ष भेजा गया। गिरफ्तार करने वाली टीम उप निरीक्षक हेमन्त कटियार, आरक्षी धर्मेन्द्र वर्मा, सचिन कुमार महिला आरक्षी अशिका चौधरी थाना हैदराबाद जनपद खीरी प्रमुख रूप से सामिल रही।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बेहजम ब्लाक परिसर मे रोपे गये पौधे

विश्व पर्यावरण दिवस
के अवसर पर

गोला गोकर्णनाथ खीरी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मैगलगंज रेंज के अन्तर्गत बेहजम वीट क्षेत्र मे बेहजम ब्लाक परिसर मे बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती बीना राज ब्लाक प्रमुख व खंड विकास अधिकारी बेहजम व शरद सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष, रंजीत वर्मा एवं ग्राम प्रधान, हरिद्वारी सिंह, व वन दरोगा उमेश वर्मा, वाचर विपिन सिह, अतेंन्दर सहित गणमान्य लोग व समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

टीईटी प्रभावित शिक्षकों को मुख्यमंत्री योगी ने दी बड़ी राहत, कहा– अनुभव और योगदान का होगा सम्मान, अध्यापकों में बढ़ी उम्मीद

लखनऊ। परिषदीय विद्यालयों में टीईटी अनिवार्यता के कारण प्रभावित शिक्षकों को बड़ी राहत मिलने के संकेत मिले हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात में भरोसा दिलाया कि लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों के अनुभव और योगदान का सम्मान किया जाएगा और उनकी सेवा सुरक्षा के लिए सरकार आवश्यक कदम उठाएगी। विधान परिषद सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह और राज बहादुर सिंह चंदेल के नेतृत्व में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात कर टीईटी प्रभावित शिक्षकों का मुद्दा उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे कई शिक्षकों की नौकरी सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद संकट में आ गई है। ऐसे शिक्षकों को सेवा अवधि के आधार पर वेटेज देने और विशेष विभागीय टीईटी परीक्षा आयोजित कर सेवा सुरक्षित रखने का प्रस्ताव रखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षकों के हितों को देखते हुए राज्य सरकार पहले ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर कर चुकी है। सरकार शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और समाधान के सभी विकल्पों पर गंभीरता से विचार कर रही है। बैठक में वर्ष २००० के बाद अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में नियुक्त तदर्थ शिक्षकों का मुद्दा भी उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने शासनादेश में संशोधन कर राजकोष से वेतन प्राप्त कर रहे तदर्थ शिक्षकों को वर्तमान पदों पर समायोजित करने की मांग रखी। एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ वार्ता बेहद सकारात्मक रही। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को किसी भ्रम में पड़ने की आवश्यकता नहीं है। सरकार उनके अनुभव और सेवाओं का सम्मान करते हुए व्यावहारिक समाधान निकालने की दिशा में गंभीरता से प्रयास कर रही है।

संजय दत्त के ‘पेड़ लगाओ, जादू की झप्पी पाओ’ संदेश से गूंजा ग्रीन शिफ्ट अवॉर्ड्स

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस की उमंग और खेल के मैदान की प्रतिस्पर्धा के बीच, लखनऊ गोल्फ क्लब में एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। ‘द ग्रीन शिफ्ट’ गोल्फ टूर्नामिंट अव र्ड्स के मंच से बॉलीवुड के मेगा स्टार संजय दत्त और सरोजिनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन–जागरूकता का शंखनाद किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे संजय दत्त ने अपने चिर–परिचित अंदाज में पर्यावरण को सहेजने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा, ”पेड़ लगाओ, जादू की झप्पी पाओ।“ पर्यावरण सुरक्षा को सरकार से ऊपर उठकर हर व्यक्ति की जिम्मेदारी बताते हुए उन्होंने डॉ. राजेश्वर सिंह के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। दत्त ने जोर देकर कहा, ”नेट जीरो का यह जन–आंदोलन सरोजिनी नगर की सीमाओं से निकलकर पूरे हिंदुस्तान में फैलना चाहिए। राजेश्वर जी मेरे भाई हैं, उनके इस हरित अभियान के लिए मैं सदैव तत्पर हूं।“ डॉ. राजेश्वर सिंह ने गोल्फ की बारीकियों से जोड़ते हुए नेट जीरो की राह को समझाया। उन्होंने कहा कि गोल्फ की तरह ही सतत विकास की यात्रा में हर एक स्ट्रोक यानी हर छोटा प्रयास मायने रखता है। डॉ. सिंह ने लखनऊ में कई बार एक्यूआई २०० के पार पहुंचता जाता है। उन्होंने शहर में गिरते भूजल स्तर पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि विश्वभर में वायु प्रदूषण से ७० लाख मौतें हो रही हैं। उन्होंने एक सरल समाधान पेश करते हुए कहा कि यदि भारत का हर नागरिक केवल एक वॉट बिजली बचाए, तो प्रतिवर्ष १,२५० करोड़ यूनिट बिजली की बचत संभव है, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने में बड़ी भूमिका निभाएगी। टूर्नामिंट में २३ गोल्फ खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। विजेताओं को छह लाख रुपये मूल्य के पुरस्कार, स्कूटी और इलेक्ट्रिक उपकरण प्रदान किए गए। जूनियर वर्ग में कर्मन्य दत्त तिवारी, महिला वर्ग में बबली नंदा, सीनियर वेटरन्स में एएस कपूर और ओवरऑल चौंपियनशिप में पंकज अग्रवाल विजेता रहे। यह कार्यक्रम महज एक खेल आयोजन न रहकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक व्यापक जन–आंदोलन का केंद्र बन गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राजेश्वर सिंह ने लखनऊ गोल्फ क्लब के पदाधिकारियों, आयोजकों और विशेष रूप से संजय दत्त का आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में अजय गुप्ता, तेजपाल सियाल और करण चंदा की भूमिका सराहनीय रही।

WORLD ENVIRONMENT DAY JUNE 5
WORLD ENVIRONMENT DAY JUNE 5
ZERO JININAGAR
The Green GOLF TOURNAMENT 2026

यूपी में बदलेगा मौसम का मिजाज, आंधी-बारिश का अलर्ट, भीषण गर्मी से मिल सकती राहत

लखनऊ। भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे उत्तर प्रदेश के लोगों को अब राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, अवध और गोरखपुर–बस्ती मंडल के जिलों में गरज–चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, गाजीपुर, जौनपुर, भदोही, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीरनगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, अयोध्या, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर समेत कई जिलों में बादल छाने और हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। कुछ स्थानों पर तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि प्री–मानसून गतिविधियां सक्रिय होने लगी हैं। इसके चलते प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी और छिटपुट वर्षा दर्ज की जा सकती है। इससे अधिकतम तापमान में कुछ गिरावट आने और उमस से राहत मिलने की संभावना है। हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में गर्मी का असर अभी बना रह सकता है, लेकिन आंधी और तेज हवाओं के कारण मौसम अपेक्षोंत सुहावना रहने के संकेत हैं। मौसम विभाग ने लोगों को आकाशीय बिजली और तेज हवाओं के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है। सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, गाजीपुर, जौनपुर, भदोही, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, कुशीनगर, गोरखपुर, महराजगंज, संतकबीर नगर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, अयोध्या, गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती और बलरामपुर।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

शिल्पा शिंदे के कबूलनामे से टीवी जगत में भूचाल, झूठे आरोप पर अशोक पंडित ने लगाई फटकार

मुम्बई। टीवी की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे अपने एक नए बयान की वजह से भारी विवादों में घिर गई हैं। हाल ही में शिल्पा ने कबूल किया था कि उन्होंने ‘भाबीजी घर पर हैं’ शो के प्रोड्यूसर संजय कोहली पर यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगाए थे। उनके इस खुलासे के बाद से ही मनोरंजन जगत में बहस छिड़ गई है और लोग उन पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। इस मामले पर फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लइज के मुख्य सलाहकार अशोक पंडित ने सख्त नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोपों का इस्तेमाल किसी भी निजी या कामकाजी विवाद को सुलझाने के लिए हथियार के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे झूठे आरोप किसी भी इंसान की छवि, उसके करियर और मानसिक स्थिति को पूरी तरह बर्बाद कर सकते हैं। अशोक पंडित ने आगे कहा कि इस तरह के झूठे आरोपों की वजह से उन महिलाओं या लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ता है, जो सच में ऐसी घटनाओं का शिकार होते हैं। जब कोई जानबूझकर झूठी शिकायत करता है, तो समाज और कानून के सामने असली पीड़ितों की आवाज भी कमजोर पड़ जाती है। उन्होंने शिल्पा के इस कदम को पूरी तरह से गलत बताया। इस मामले को लेकर टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने भी शिल्पा शिंदे को आड़े हाथों लिया था। इसके जवाब में शिल्पा शिंदे ने बिना नाम लिए सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर हिना खान पर पलटवार किया। शिल्पा ने कहा, ‘लोग मेरे नाम पर पब्लिसिटी पाना कब बंद करेंगे? चलती ट्रेन में मत चढ़िए, वरना आपको चोट लग जाएगी।’ उन्होंने आगे तीखे अंदाज में कहा कि पब्लिसिटी पाने के लिए आपके पास अपनी बीमारियां और घर की बातें हैं, फिर आपको शिल्पा शिंदे की क्या जरूरत पड़ गई?

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक